University in News on 28 January 2025

NBT PAGE 3, 5

शोध में सफलता कुमाऊं विवि के वीसी ने तैयार की दवा, फेज वन ट्रायल में दिखा असर

पारकिंसन की भी दवा, ठीक हो सकेगी बीमारी!

इंडियन सोसायटी ऑफ केमिस्ट ऐंड बायॉलजिस्ट की ओर से आयोजित कॉन्फ्रेंस में बोले प्रो. दीवान

Zeeshan.Rayini@timesofindia.com

लखनऊ : पारकिंसन ठीक करने की कोई दवा नहीं। इसमें मरीज के हाथ-पैर कांपने लगते हैं। कई मरीज विना सहारे चल भी नहीं पाते। लेकिन कुमाऊं विवि के वीसी प्रो. दीवान एस रावत ने ऐरोमैटिक अमाइन का पारकिंसन पर शोध किया है। पहले एनिमल मॉडल और फेज वन के ह्यूमन ड्रग ट्रायल में यह दवा कारगर पाई गई है। ऐसे में उम्मीद है कि पारकिंसन जैसी गंभीर बीमारी भी ठीक हो सकेगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग की ओर से आयोजित कॉन्फ्रेंस में सोमवार को प्रो. दीवान एस रावत ने यह जानकारी दी।

इंडियन सोसायटी ऑफ केमिस्ट ऐंड बायॉलजिस्ट व एलयू के केमिस्ट्री विभाग की ओर से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस (ISCBC 2025) का आयोजन किया गया। देश भर से रसायन विज्ञान व मॉलिकुलर बायॉलजी समेत फार्मा के विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। प्रो. दीवान ने बताया कि वो पिछले 13 साल से पारकिंसन की दवा पर काम कर रहे हैं। चूहों पर परीक्षण में दवा कारगर पाई गई। यूएस में फेज वन क्लिनिकल ट्रायल में भी दवा सुरक्षित मिली। अब दूसरे फेज का ट्रायल शुरू होगा। इसमें पारकिंसन के मरीजों पर दवा परखी जाएगा।

AI से दस साल जल्दी आएगी नई दवा: गुजरात के प्रो. निशीथ देसाई ने बताया कि अब AI बेस्ड ड्रग डिस्कवरी ने नई दवा की खोज जल्दी हो सकेगी। नई दवा खोजने में कम से कम 15 साल लगते थे। एआई की मदद से चार से पांच साल में नई दवा खोजी जा सकती है। दवा की खोज में पहले कंपाउंड की स्क्रीनिंग में एक बार में 100 से 200 कंपाउंड स्क्रीन हो पाते थे। एआई की मदद से एक बार में 20 हजार कंपाउंड तक की स्क्रीनिंग हो सकती है।

हमारे देसी नुस्खों पर यूएस बना रहा दवा

यूएस से आए डॉ. मुकुंद चौरघड़े ने बताया कि भारत में आयुर्वेद व देसी नुस्खों पर अब यूएस में काम हो रहा है। कैंसर, पेट, स्किन, इंफेक्शन समेत हर बीमारी में भारत में देसी नुस्खे मौजूद है। कोविड में इनका खूब उपयोग किया गया। अब हम ट्रेडिशनल मेडिसिन को आधुनिक विज्ञान पद्धति पर परख कर उनकी दवा तैयार कर रहे हैं। कई ऐसी बीमारियां भी है जिनका मॉडर्न मेडिसिन में अभी सटीक इलाज नहीं है और साइड इफेक्ट भी है। ऐसे में इन नुस्खों से तैयार दवा न सिर्फ कारगर होगी बल्कि कम कीमत की होगी।

केमिकल बॉन्डिंग से तैयार हो रही नई दवा

सीडीआरआई के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. पीएमएस चौहान ने बताया कि नई दवाओं की खोज में अब नए कॉन्सेप्ट पर काम हो रहा है। इसमें किन्हीं दो पुरानी दवाओं की कैमिकल बॉन्डिंग से नई दवा तैयार की जा रही है। इससे आधे से भी कम समय में एक नई दवा तैयार हो रही है, क्योंकि इसमें कई सारी प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

किताब तक ही सीमित न रहें, आत्मनिर्भरता पर भी काम करें शिक्षक : प्रो. आलोक

सम्मेलन में डॉ. स्वप्ना को सम्मानित करते कुलपति प्रो. आलोक राय। अमर उजाला

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की ओर से रसायन और जीव विज्ञानियों का तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सोमवार को मालवीय सभागार में शुरू हो गया। भारतीय रसायनज्ञ और जीवविज्ञानी सोसाइटी (आईएससीबी) के सहयोग से हो रहे इस सम्मेलन का मुख्य विषय रासायनिक, जैविक और औषधीय विज्ञान में वर्तमान प्रवृत्तियां व स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभाव है।

कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान का आधुनिक जीवन में अपना-अलग महत्व है। उन्होंने कहा शिक्षकों को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि ज्ञान को छात्रों, उद्योग और अंततः समाज तक पहुंचाना चाहिए।

आईएससीबी के महासचिव डॉ. पीएमएस चौहान ने कहा कि तकनीकी दौर में समय संग चलना जरूरी है। प्रो. अनमिक शाह ने वैश्विक चुनौतियों को सुलझाने पर जोर दिया। यूएसए में अध्यक्ष और मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. मुकुंद एस चोरघड़े, कुमाऊं विवि के कुलपति डॉ. डीएस रावत ने भी विचार रखे।

i-NEXT PAGE 4

आज खिताब के लिए उतरेगी एलयू की टीम

त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू में टी-20 जय नेपाल कप का फाइनल

179 रन बनाए ढाका विश्वविद्यालय ने 20 ओवरों में चार विकेट खोकर

16.5 ओवरों में लखनऊ विश्वविद्यालय ने लक्ष्य को हासिल कर लिया

LUCKNOW (27 JAN): त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू में आयोजित टी-20 जय नेपाल कप इंटरनेशनल इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में लखनऊ विश्वविद्यालय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली. सेमीफाइनल में लवि ने ढाका विश्वविद्यालय को सात विकेट से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की. इस जीत के साथ टीम के सभी खिलाड़ियों ने तिरंगा फहराकर जीत का जश्न मनाया.

पहले बल्लेबाजी की

एलयू के कप्तान आनंद सागर ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया. ढाका विश्वविद्यालय ने 20 ओवरों में चार विकेट खोकर 179 रन बनाए. एलयू की ओर से आदित्य प्रताप सिंह, अभिषेक सोनी, आनंद सागर और मेहंदी ने एक-एक विकेट लिया. लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से बल्लेबाजी में सलामी बल्लेबाज मनन कांडपाल ने 24 गेंदों में 59 रनों की तूफानी पारी खेली.

शानदार प्रदर्शन किया

मनन और ओमकार ने पहले विकेट के लिए 86 रन जोड़े. इसके बाद यशवर्धन सिंह ने 39 गेंदों पर 82 रन बनाते हुए चौकों-छक्कों की बौछार कर दी. यशवर्धन की धमाकेदार पारी को बदौलत लखनऊ विश्वविद्यालय ने लक्ष्य को 16.5 ओवरों में हासिल कर लिया. यशवर्धन सिंह को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया.

तीसी ने दी बधाई

एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने टीम को बधाई देते हुए फाइनल के लिए शुभकामनाएं दीं. फाइनल मुकाबला मंगलवार को दोपहर 12 बजे लखनऊ विश्वविद्यालय और मिड वेस्ट यूनिवर्सिटी (नेपाल) के बीच होगा.

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय नेपाल कप टी-20 क्रिकेट के फाइनल में

त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू में टी- 20 जय नेपाल कप इंटरनेशनल इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में लखनऊ • जागरण

जासं • लखनऊः त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू में आयोजित टी-20 जय नेपाल कप इंटरनेशनल इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली। सेमीफाइनल में लवि ने ढाका विश्वविद्यालय को सात विकेट से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम के सभी खिलाड़ियों ने तिरंगा फहराकर जीत का जश्न मनाया।

लवि के कप्तान आनंद सागर ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। ढाका विश्वविद्यालय ने 20 ओवरों में चार विकेट खोकर 179 रन बनाए। लवि की ओर से आदित्य प्रताप सिंह, अभिषेक सोनी, आनंद सागर और मेहंदी ने एक-एक विकेट पटकाए। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से बल्लेबाजी में सलामी बल्लेबाज मनन कांडपाल ने 24 गेंदों में 59 रनों की तूफानी पारी खेली। सेमीफाइनल में लवि ने ढाका विश्वविद्यालय को सात विकेट से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम के सभी खिलाड़ियों ने तिरंगा फहराकर जीत का जश्न मनाया। यशवर्धन सिंह ने 39 गेंदों पर 82 रन बनाते हुए चौकों-छक्कों की बौछार कर दी। यशवर्धन की धमाकेदार पारी की बदौलत लखनऊ विश्वविद्यालय ने लक्ष्य को 16.5 ओवरों में हासिल कर लिया। यशवर्धन सिंह को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

फाइनल में LU की क्रिकेट टीम

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊः** नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय में इंटरनैशनल इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में एलयू की क्रिकेट टीम पहली वार फाइनल में पहुंची है। सोमवार को एलयू और ढाका विश्वविद्यालय के वीच सेमीफाइनल मुकावला हुआ। जिसमें एलयू की टीम ने जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह वना ली। फाइनल मैच मंगलवार दोपहर 12 वजे से एलयू और मिड वेस्ट यूनिवर्सिटी नेपाल के वीच खेला जाएगा।

नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय में हो रहा इंटरनैशनल इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट

एलयू ऐथलेटिक असोसिएशन के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य के नेतृत्व में विवि के प्रतिनिधिमंडल ने नेपाल पहुंचकर टीम का उत्साह वढ़ाया। सोमवार को ढाका विश्वविद्यालय की टीम ने संतुलित वल्लेवाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 179 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाव में लखनऊ विश्वविद्यालय ने 16.5 ओवर में 180 रन वनाकर सात विकेट से मैच जीत लिया।

● एलयू के कला संकाय और न्यू कैंपस में वीसी प्रो. आलोक कुमार ने राय ध्वजारोहण किया।

विद्यार्थियों ने पेश किया पंच प्रण का मंत्र

युवा संसद में गए लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र • सौजन्य : लवि

जासं • लखनऊः राजस्थान विधानसभा, जयपुर में 24-25 जनवरी को आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद में 220 विवि के विद्यार्थियों ने पर्यावरणीय मुद्दों पर विचार साझा किए। कार्यक्रम का उद्घाटन राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को भारतीय संस्कृति से जोड़ते हुए नए समाधान प्रस्तुत करने का आह्वान किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के मयंक पटेल, श्रेया कटियार और मुदित मेहरोत्रा ने 'पंच प्रण' की रूपरेखा प्रस्तुत की। मयंक ने सौर ऊर्जा, रीसाइकलिंग और रोटेटिंग सोलर पैनल की अवधारणा पर जोर दिया। मुदित ने अवैध खनन और वजट कटौती जैसे मुद्दों पर ग्रीन फंड बढ़ाने का सुझाव दिया। श्रेया ने इनोवेशन और वेस्ट मैनेजमेंट के जरिए ग्रीन एनर्जी के लक्ष्य को रेखांकित किया। लखनऊ विवि के डा. हेमेंद्र सिंह ने बताया कि सोसाइटी फार डेवलपमेंट जैसे प्रयास छात्रों को पर्यावरणीय नीतियों में भागीदार बना रहे हैं।

विज्ञानियों के मिनी महाकुंभ की शुरुआत, पांच शिक्षाविदों को मिला पुरस्कार

- लखनऊ विवि के मालवीय सभागार में तीन दिवसीय आइएससीबी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत
- 500 शिक्षाविद्, विशेषज्ञ और विज्ञानी रसायन विज्ञान पर करेंगे मंथन

<< 30वें आइएससीबी के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, आइएससीबी अध्यक्ष अनामिका शाह, महासचिव डा. पीएमएस चौहान व प्रो. अनिल मिश्रा • लखनऊ विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता • लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में आयोजित 30वां भारतीय रसायनज्ञ और जीव विज्ञानी सोसाइटी(आइएससीवी) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन विज्ञान की नई संभावनाओं और खोजों पर चर्चा का मंच बना। 29 जनवरी तक चलने वाले इस सम्मेलन में 500 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। विशेषज्ञ 'रासायनिक, जैविक और औषधीय विज्ञान में वर्तमान प्रवृत्तियांः स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभाव' विषय पर मंथन करेंगे। पहले दिन अलग-अलग सत्रों में स्वास्थ्य, पर्यावरण और औषधीय विज्ञान से जुड़े कई ज्वलंत मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।

मालवीय सभागार में सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने वैज्ञानिक खोजों को समाज और उद्योग तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। स्वदेशी सैनिटाइजर बनाने में विश्वविद्यालय के योगदान की सराहना करते हुए आत्मनिर्भरता को शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य बताया। कहा कि शिक्षकों को सिर्फ पुस्तकों तक सीमित न रहकर अपने ज्ञान को छात्र-छात्राओं और उद्योग से समाज तक पहुंचाना चाहिए। रेडिकल एलार्गसेस पर व्याख्यान देते हुए फ्रांस के डा. समीर जार्ड ने रेडिकल प्रतिक्रियाओं की बहुआयामी उपयोगिता को बताया, जो आर्गेनिक सिंथेसिस में क्रांति ला सकती है। साइंस एंटरप्रेन्योरशिप में अमेरिका के डा. मुकुंद ने विज्ञान व उद्योग के तालमेल से रोजगार सृजन एवं नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा दिखाई। पार्किंसंस रोग पर शोध को बताते हुए नैनीताल के डा. दीवान एस रावत ने नए औषधीय अणुओं के विकास पर चर्चा की, जिनसे पार्किंसंस जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार की नई उम्मीद जगी है। आइएससीबी अध्यक्ष प्रो. अनामिक शाह ने बताया कि पिछले 30 वर्ष में सोसाइटी ने एक हजार से अधिक अंतरराष्ट्रीय वक्ता को मंच पर लाने का काम किया है। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा, डा. पीएमएस चौहान समेत अन्य शिक्षक प्रोफेसर रहे।

इन्हें मिला पुरस्कार

कुलपति ने पांच शिक्षाविदों को रसायन विज्ञान, शिक्षण के लिए आइएससीबी-2024 पुरस्कार से सम्मानित किया। इसमें प्रो. दिलीप कुमार, डा. स्वप्निल शर्मा, डा. सुषमा तालेगांवकर व प्रो. हितेश डी. पटेल रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 5,6, 7

लविवि में मनाया गया गणतंत्र दिवस

अमृत विचार , लखनऊ : गणतंत्र दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय के प्रांगण में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर एनसीसी के छात्रों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कुलपति ने वहां उपस्थित छात्रों, शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति में अपना उद्बोधन दिया। इसके बाद सभी विभागों में अलग-अलग स्थान पर 10.30 बजे ध्वजारोहण किया गया। विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में कुलपति और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के पहुंचने पर वहां पर निर्धारित समय 11.15 बजे निदेशक प्रो. आर के सिंह द्वारा ध्वज फहराया गया।

लविवि में देश-विदेश के वैज्ञानिकों का सम्मेलन शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

इनको दिया गया पुरस्कार

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पुरस्कार प्रदान किए। ये पुरस्कार प्रो. दिलीप कुमार, डॉ. हितेंद्र एम. पटेल, डॉ. स्वप्निल शर्मा, डॉ. सुषमा तालेगांवकर और प्रो. हितेश डी. पटेल को रसायन।

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में देश-विदेश के वैज्ञानिकों का सम्मेलन शुरू हो गया। वैज्ञानिकों के इस मिनी-महाकुंभ का आयोजन 27 से 29 जनवरी तक होगा।

30वें आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय रासायनिक, जैविक और औषधीय विज्ञान में वर्तमान प्रवृत्तियां स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभाव है। भारतीय रसायनज्ञ और जीव विज्ञानी सोसाइटी के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में 500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

भारतीय रसायनज्ञ और जीव विज्ञानी सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. अनामिक शाह ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति को उनके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि पिछले 30 वर्षों में 1000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय वक्ता, 5000 राष्ट्रीय वक्ता और 20,000 प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने का कार्य हुआ है। महासचिव डॉ. पीएमएस चौहान ने सम्मेलन के विषय, तकनीकी सत्रों और अपेक्षित परिणामों पर प्रकाश डाला। सत्र का समापन प्रो. अनिल मिश्रा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। संचालन डॉ. अमृता श्रीवास्तव रसायन विज्ञान विभाग ने किया।

इस दौरान आधुनिक रसायन शास्त्र की अंतरविषयक प्रकृति और स्वास्थ्य संकट से लेकर पर्यावरणीय स्थिरता तक की वैश्विक चुनौतियों को सुलझाने में प्रो. अनमिक शाह की भूमिका को उजागर किया गया। प्लेनरी व्याख्यान डॉ. समीर जेड. जार्ड द्वारा प्रस्तुत किया गया। जो फ्रांस के ईकोल पॉलीटेक्निक के लेबोरेटॉयर डे सिंथेस ऑर्गेनिक से हैं। दूसरा प्लेनरी व्याख्यान डॉ. मुकुंद एस. चोरघडे द्वारा प्रस्तुत किया गया। जो थिंक्यू फार्मा, न्यू जर्सी, यूएसए में अध्यक्ष और मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी हैं।

TOI PAGE 20

ढाका को हराकर फाइनल में पहुंची लविवि की टीम

अमृत विचार, लखनऊ : काठमांडू नेपाल में खेले जा रहे टी-20 जय नेपाल कप इंटरनेशनल इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में लखनऊ विश्वविद्यालय ने ढाका यूनिवर्सिटी को रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में धराशायी कर फाइनल में जगह बनाई है। कप्तान आनंद सागर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और ढाका विश्वविद्यालय की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 179 रन बनाये। जिसके जवाब में लखनऊ विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों निर्धारित ओवर में लक्ष्य को पा लिया।

LU beat Dhaka Univ to enter final of int'l c'ship

Lucknow: The Lucknow University secured a 7-wicket victory over Dhaka University in the semifinal of the T-20 Jai Nepal Cup International Inter-University Cricket Tournament at Tribhuvan University International Stadium on Monday.

After winning the toss, Lucknow University skipper Anand Sagar opted to bowl first. Dhaka University posted a competitive 179/4 in 20 overs, with Lucknow's bowlers Aditya Pratap Singh, Abhishek Soni, Anand Sagar, and Mehndi claiming one wicket each. Chasing 180, opener Manan Kandpal smashed a blistering 59 off 24 balls, sharing an 86-run opening stand with Omkar. Yashvardhan Singh then stole the show with an explosive 82 off 39 balls, peppering boundaries and sixes across the ground. Lucknow University achieved target in just 16.5 overs. TNN

LU winning team on Monday